पंजाब केसरी
WED,29 JULY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

हिमाचल बोर्ड ने मार्च-2027 से 10वीं-12वीं परीक्षा का पैटर्न बदला

■ 10वीं-12वीं में 20 प्रतिशत एम.सी.क्यू. और केस स्टडी से खत्म होगी रटने की आदत

धर्मशाला, 28 जुलाई (सुनील): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने आगामी मार्च-2027 में आयोजित होने वाली 10वीं और 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के स्वरूप में एक ऐतिहासिक और बड़ा बदलाव किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और परख के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किए गए इस नए पैटर्न का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और छात्र-केंद्रित बनाना है।

नए पैटर्न के अनुसार प्रश्न-पत्रों में 50 प्रतिशत प्रश्न औसत स्तर के, 30 प्रतिशत आसान स्तर के और 20 प्रतिशत कठिन स्तर के होंगे। यह संतुलित बदलाव इसलिए किया गया है, ताकि हर छात्र अपनी क्षमता के अनुसार बेहतर अंक हासिल कर सके। इसके अलावा, केवल उत्तर रटने की आदत को खत्म करने के लिए प्रश्न-पत्रों में लगभग 20 प्रतिशत बहुविकल्पीय प्रश्न जोड़े गए हैं।

साथ ही केस स्टडी और समझ पर आधारित प्रश्नों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि छात्रों की सोचने-समझने और सवाल हल करने की क्षमता को सही से परखा जा सके। विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुविधा के लिए नए पैटर्न के मॉडल प्रश्न-पत्र बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट पर डाऊनलोड के लिए उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किए गए विषयवार मॉडल प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट में अपलोड कर दिए गए हैं। इनसे छात्र परीक्षा से पहले ही प्रश्नों के तरीके, कठिनाई के स्तर और उत्तर लिखने की शैली को आसानी से समझ सकेंगे। बोर्ड प्रशासन ने शिक्षकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इन मॉडल प्रश्न-पत्रों को देखकर अपनी पढ़ाई की तैयारी शुरू करें।

> इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक आसान, गुणवत्तापूर्ण और छात्र-केंद्रित बनाना है। नए पैटर्न से छात्र केवल रटने की जगह विषय को गहराई से समझ सकेंगे, जिससे आगामी बोर्ड परीक्षाओं में वे बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।
>
>
>
> – डा. राजेश शर्मा, अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड।

Apka Faisla 29-07-2026

मार्च-2027 बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों का नया स्वरूप लागू : डॉ. राजेश शर्मा

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं PARAKH के अनुरूप मार्च-2027 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार प्रश्न-पत्रों में 50 प्रतिशत औसत स्तर, 30 प्रतिशत आसान स्तर तथा 20 प्रतिशत कठिन स्तर के प्रश्न शामिल किए जाएंगे, जिससे सभी स्तर के विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हो सके। डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रश्न-पत्रों में लगभग 20 प्रतिशत बहुविकल्पीय प्रश्न भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त केस स्टडी, योग्यता आधारित एवं अवधारणात्मक प्रश्नों को प्रमुखता दी जाएगी, ताकि विद्यार्थियों की केवल रटने की

क्षमता नहीं, बल्कि तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल तथा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग का भी समुचित मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सुविधा के लिए संशोधित परीक्षा पैटर्न के अनुरूप विषयवार मॉडल प्रश्न-पत्र एवं अंक विभाजन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org के Download अनुभाग में उपलब्ध करवा दिए गए हैं। इन मॉडल प्रश्न-पत्रों के माध्यम से परीक्षार्थी प्रश्नों की प्रकृति, कठिनाई स्तर तथा उत्तर लेखन की शैली से पूर्व परिचित हो सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आग्रह किया कि वे उपलब्ध मॉडल प्रश्न-पत्रों का अध्ययन कर नवीन परीक्षा प्रणाली के अनुरूप अपनी तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

91 प्रशिक्षु नर्सों का किया गया चयन

नालागढ़, (आपका फैसला)। लार्ड महावीरा कालेज ऑफ नर्सिंग नालागढ़ की 91 प्रशिक्षु नर्सों का चयन जयपुर स्थित निमस अस्पताल के लिए हुआ है। लार्ड महावीरा कालेज ऑफ नर्सिंग की डायरेक्टर डा.आशिमा जैन ने कहा कि साक्षात्कार में बीएससी नर्सिंग की 58 और जीएनएम की 38 प्रशिक्षु कुल 96 छात्राओं ने भाग लिया,जिसमें से 91 छात्राओं का चयन हुआ है। कॉलेज के चेयरमैन डॉ.अजीतपाल जैन ने चयनित सभी छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्थान में हर वर्ष देश के नामी बेहतरीन अस्पतालो के कैंपस इंटरव्यू करवाए जाते हैं। उन्होंने कहा जयपुर का निमस अस्पताल में 1850 बेड की क्षमता है और अत्याधुनिक अस्पताल है।

Himachal Dastak 29-07-2026

एचपी बोर्ड ने 10वीं और 12वीं का परीक्षा पैटर्न बदला, नई शिक्षा नीति और परख के तहत मार्च 2027 से लागू होंगे नए नियम

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं परख के अनुरूप मार्च-2027 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों के स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार प्रश्नपत्रों में 50 प्रतिशत औसत स्तर, 30 प्रतिशत आसान स्तर तथा 20 प्रतिशत कठिन स्तर के प्रश्न शामिल किए जाएंगे, जिससे सभी स्तर के विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हो सके। डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रश्नपत्रों में लगभग 20 प्रतिशत बहुविकल्पीय प्रश्न भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त केस स्टडी, योग्यता आधारित एवं अवधारणात्मक प्रश्नों को प्रमुखता दी जाएगी ताकि विद्यार्थियों की केवल रटने की क्षमता नहीं, बल्कि तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल तथा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग का भी समुचित मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सुविधा के लिए संशोधित परीक्षा पैटर्न के अनुरूप विषयवार मॉडल प्रश्नपत्र एवं अंक विभाजन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट में उपलब्ध करवा दिए गए हैं। इन मॉडल प्रश्नपत्रों के माध्यम से परीक्षार्थी प्रश्नों की प्रकृति, कठिनाई स्तर तथा उत्तर लेखन की शैली से पूर्व परिचित हो सकेंगे।

Dainik Bhaskar 29-07-2026

मार्च से बदलेगा बोर्ड परीक्षा का पैटर्नः 50% औसत, 30% आसान व 20% कठिन होंगे प्रश्न

धर्मशाला | हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च-2027 में होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्रों का नया प्रारूप लागू करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और परख के अनुरूप तैयार किए गए इस नए पैटर्न में विद्यार्थियों की रटने की क्षमता के बजाय उनकी तार्किक सोच, विश्लेषण, समस्या समाधान और ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग का मूल्यांकन किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने सोमवार को बताया कि नए प्रारूप के तहत प्रश्नपत्र में 50 प्रतिशत औसत स्तर, 30 प्रतिशत आसान स्तर और 20 प्रतिशत कठिन स्तर के प्रश्न शामिल होंगे। इससे विभिन्न क्षमता वाले विद्यार्थियों को संतुलित अवसर मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रश्नपत्रों में करीब 20 प्रतिशत बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) भी होंगे। इसके अलावा केस स्टडी, योग्यता आधारित और अवधारणात्मक प्रश्नों को विशेष महत्व दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों की समझ और विषय पर पकड़ का बेहतर आकलन किया जा सके। बोर्ड ने संशोधित परीक्षा पैटर्न के अनुसार सभी विषयों के मॉडल प्रश्नपत्र और अंक विभाजन भी जारी कर दिए हैं। इन्हें बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के डाउनलोड अनुभाग से देखा और डाउनलोड किया जा सकता है।

डिजिटल अख़बार
पहली नजर
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए
डिजिटल न्यूज पेपर पहली नजर के साथ
28 जुलाई, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

मार्च-2027 बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों का नया स्वरूप लागू, औसत, आसान एवं कठिन प्रश्नों का रहेगा संतुलित समावेश

पहली नजर ब्यूरो, कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE), धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं परख (परफॉर्मेंस असेसमेंट, रिव्यू एंड एनालिसिस ऑफ नॉलेज फॉर हॉलिस्टिक डेवलपमेंट) के अनुरूप मार्च-2027 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों के स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार प्रश्न-पत्रों में 50 प्रतिशत औसत स्तर, 30 प्रतिशत आसान स्तर तथा 20 प्रतिशत कठिन स्तर के प्रश्न शामिल किए जाएंगे, जिससे सभी स्तर के विद्यार्थियों को अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हो सके।

डॉ. शर्मा ने बताया कि प्रश्न-पत्रों में लगभग 20 प्रतिशत बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त केस स्टडी, योग्यता आधारित (कॉम्पिटेंसी-बेस्ड) एवं अवधारणात्मक प्रश्नों को प्रमुखता दी जाएगी, ताकि विद्यार्थियों की केवल रटने की क्षमता नहीं, बल्कि तार्किक सोच, विश्लेषणात्मक क्षमता, समस्या समाधान कौशल तथा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में ज्ञान के अनुप्रयोग का भी समुचित मूल्यांकन किया जा सके।

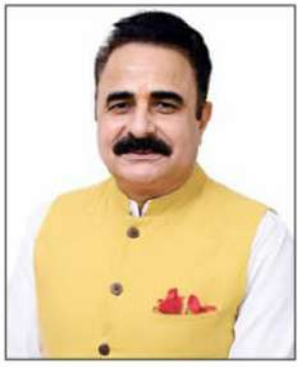

वेबसाइट पर उपलब्ध हैं विषयवार मॉडल प्रश्न-पत्र

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सुविधा के लिए संशोधित परीक्षा पैटर्न के अनुरूप विषयवार मॉडल प्रश्न-पत्र एवं अंक विभाजन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध करवा दिए गए हैं। इन मॉडल प्रश्न-पत्रों के माध्यम से परीक्षार्थी प्रश्नों की प्रकृति, कठिनाई स्तर तथा उत्तर लेखन की शैली से पूर्व परिचित हो सकेंगे।

परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण बनाना है सुधारों का उद्देश्य

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आग्रह किया कि वे उपलब्ध मॉडल प्रश्न-पत्रों का अध्ययन कर नवीन परीक्षा प्रणाली के अनुरूप अपनी तैयारी सुनिश्चित करें, ताकि आगामी बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

JULY 29, 2026 WEDNESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

BALANCED PAPERS AND REAL-WORLD QUESTIONS: HP BOARD'S NEW BLUEPRINT

Sunny Mahajan | Dharamshala

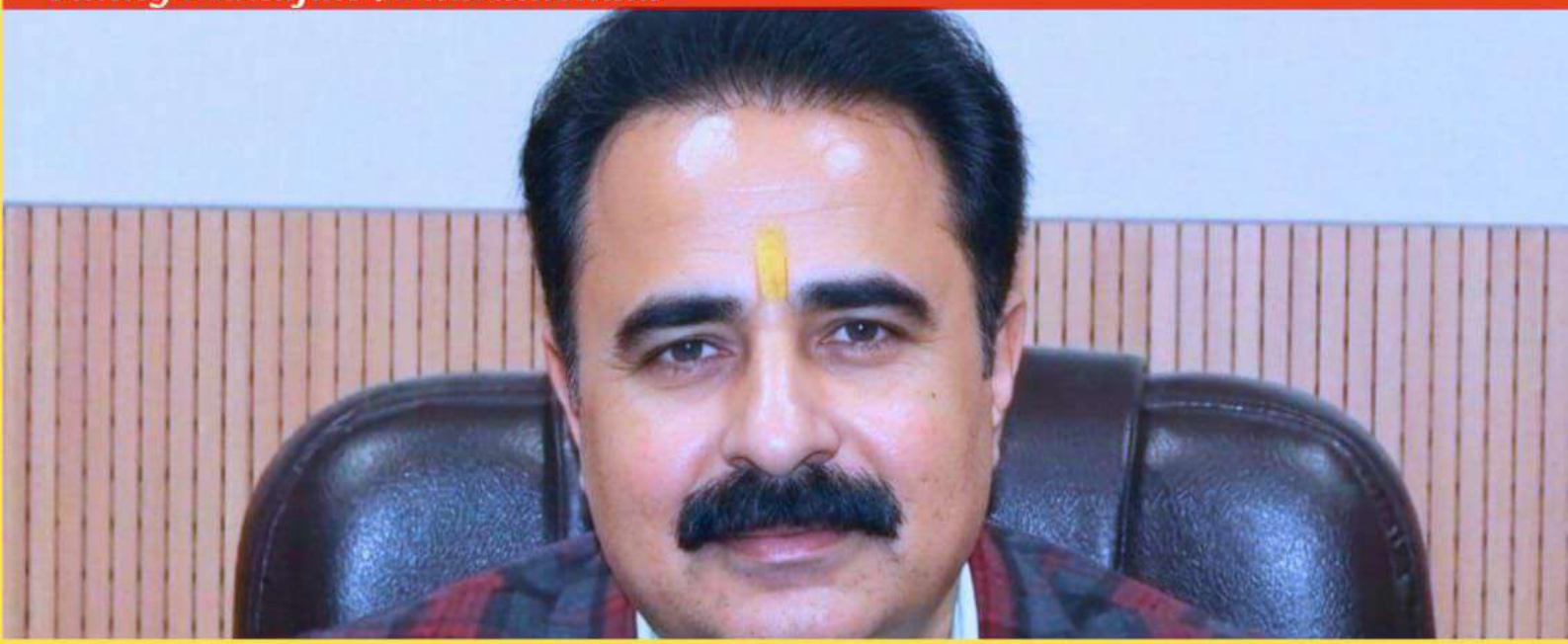

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBoSE) in Dharamshala has announced a major blueprint shift aligned with the National Education Policy 2020 and PARAKH guidelines. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma revealed that future question papers will ditch mindless memorization in favor of real-world problem solving and critical thinking. Under the new balanced model, half the exam will feature average-difficulty questions, while 30 percent will focus on easier concepts and the remaining 20 percent will push high achievers with tough challenges. Roughly one-fifth of every paper will consist of multiple-choice questions, backed heavily by case studies, competency-based prompts, and conceptual scenarios designed to test how well students actually understand what they study.

To keep teachers and students from flying blind, HPBoSE has uploaded updated sample papers and subject-wise mark allocations directly to its official website, www.hpbose.org, under the Download section. Dr. Sharma urged schools to dive straight into these practice papers now, emphasizing that early preparation is the key to mastering this smarter, fairer, and far more transparent evaluation system.